संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

(ध्वनि,लाख की चूड़ियां, बस की यात्रा)

1

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का सही उत्तर दीजिए :-

बदलू मनिहार था । चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था । उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी । उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थीं आस-पास के गाँव के लोग उससे चूड़ियाँ ले जाते थे । परन्तु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था । उसका अभी तक वस्तु -विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे । बदलू स्वभाव से सीधा था । मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा ।

(1) बदलू कौन था ?

(2) उसका पैतृक पेशा क्या था ?

(3) बदलू की बनाई चूड़ियों की खपत अधिक क्यों थी ?

(4) वस्तु -विनिमय से आप क्या समझते हैं ?

(5) उसकी बनाई चूड़ियों की दो विशेषताएँ लिखिए ।

2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अभी न होगा मेरा अन्त
अभी -अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल - वसंत
अभी न होगा मेरा अन्त
हरे-हरे ये पात,
डालियाँ,कलियाँ, कोमल गात
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरुँगा निद्रित कलियोँ पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर .

1-कवि और कविता का नाम लिखिए.
2- कवि ने अपने जीवन में किस मौसम के आगमन की बात कही है?
3-वह कलियोँ को कैसे जगाना चाहता है ?
4-कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नही होगा ?
5- हरे-हरे शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

(ध्वनि,लाख की चूड़ियां, बस की यात्रा)

2

1 पढ़े गए पाठों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए :-

1. लाख की वस्तुओ का निर्माण भारत मे किन-किन राज्यों में होता है? लाख से चूड़ियो के अतिरिक्त क्या-क्या छीजे बनती है ?

2 कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

3 बदलू के मन मे ऐसी कौन सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी ?

4 कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

5 लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?

2. दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

बस सचमुच चल पड़ी और हमें लगा कि यह गांधी जी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य जवान रही होगी। उसे ट्रेनिंग मिल चुकी थी। हर हिस्सा दूसरे से असहयोग कर रहा था। पूरी बस सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौर से गुज़र रही थी। सीट का बॉडी से असहयोग चल रहा था। कभी लगता सीट बॉडी को छोड़कर आगे निकल गई है। कभी लगता कि सीट को छोड़कर बॉडी आगे भागी जा रही है। आठ-दस मील चलने पर सारे भेदभाव मिट गए। यह समझ में नहीं आता था कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है।

क. पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख. लेखक ने इस गद्द्यांश में किसका वर्णन किया है?

ग. 'यह गांधी जी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य जवान रही होगी' पंक्ति का क्या अभिप्राय है।

घ. बस को कौन सी ट्रेनिंग मिल चुकी थी? इस ट्रेनिंग का क्या प्रमाण था?

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

(ध्वनि,लाख की चूड़ियां, बस की यात्रा)

3

1 काव्य पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए पश्नों का उत्तर दीजिए:

पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं।
अपने नव जीवन का अमृत सहर्ष सींच दूंगा मैं।

द्वार दिखा दूँगा फिर उनको
हैं वे मेरे जहाँ अनंत
अभी न होगा मेरा अंत।

क. कवि और कविता का नाम लिखिए ।
ख. फूलों के भीतर कौन-सी लालसा है? कवी उन्हें किसके द्वारा सींचना चाहता है?
ग. 'द्वार दिखा दूँगा फिर उनको' कवि किसे और कौन-सा द्वार दिखाना चाहता है?

2. पठित पाठों के आधार पर उत्तर दीजिए:-

क. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था? लाख की चूड़ियाँ पाठ के आधार पर लिखिए?

ख. लेखक के मन में हिस्सेदार सहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गयी? 'बस की यात्रा' पाठ के आधार पर लिखिए।

ग. "मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं," इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है? लाख की चूड़ियाँ पाठ के आधार पर
लिखिए?

घ. लोगों ने ऐसी सलाह क्यों दी कि समझदार आदमी उस शाम वाली बस से सफर नहीं करते? 'बस की यात्रा' पाठ के आधार पर लिखिए।